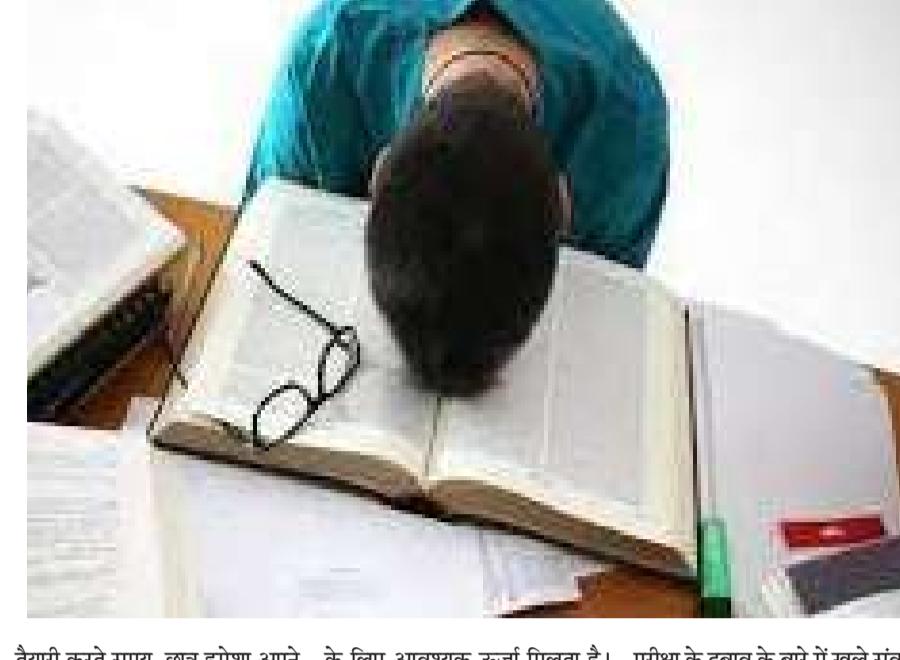


ਪਾਲਾ ਕੇ ਨੀਤੀਖਿਆਂ ਵਿੱਚੋਂ



धन्द प्रधान, शिक्षा और कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्री, भारत सरका



परीक्षा का तनाव कम करना: छात्रों के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के बीच संतुलन

परीक्षा अवधि के दौरान यह संतुलन विशेष रूप से महत्वपूर्ण हो जाता है जब छात्रों को विद्या संबंधी परेशानियों और अपने कार्य से जुड़ी चिंता का सामना करना पड़ता है, जिसका उनके मानसिक और समृद्धि स्थान्य पर गहरा प्रभाव पड़ता है। निष्पादेह, परीक्षा की तैयारी महत्वपूर्ण है। लेकिन इससे भी अधिक महत्वपूर्ण अध्ययन और स्वस्थ जीवन के बीच एक अच्छा संतुलन बनाकर रखना है। आज, परीक्षा में प्रदर्शन छात्रों के संपूर्ण दिमाग पर इस कदर छाया हुआ है कि उन्हें विद्या से जुड़े परिणामों के अलावा कुछ भी दिखाई नहीं देता है। इस तरह के अखण्ड विचार हमारे छात्रों को बर्बाद कर देते हैं और उनकी रघनात्मकता व प्रतिभा का गला घोंट देते हैं। हम सभी अच्छी तरह से जानते हैं कि प्रत्येक बच्चा विशिष्ट रूप से संपन्न है और सभी शैक्षणिक दृष्टि से उत्कृष्ट नहीं हो सकते। परीक्षा परिणाम के आधार पर हम किसी बच्चे की प्रतिभा का अनुमान नहीं लगा सकते। परीक्षा परिणाम किसी छात्र के जीवन में सफलता का एकमात्र पैमाना नहीं होना चाहिए। हम सभी- माता-पिता, विद्यक, निर्माता और परिवार- को निलकर और एकजुटा से काम करना चाहिए ताकि बच्चे को उसकी पूरी धरभाना का एहसास कराने के लिए सोहार्दपूर्ण वातावरण प्रदान किया जा सके। परीक्षा में प्रदर्शन न केवल स्वानगमाविक प्रतिभा पर निर्भर करता है, बल्कि स्वस्थ शरीर और तेज दिमाग जैसी कई चीजों पर भी निर्भर करता है, जो शारीरिक मजबूती को बढ़ाता है और मसितक तेजी से ध्यान केन्द्रित करता है।

शिक्षा
और
बनाना

शिक्षा के केन्द्र में उत्कृष्ट हासिल करने और शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य बनाए रखने के बीच नाजुक संतुलन कायम करने की विकट चुनौती व समाना करना पड़ता है। परीक्षा अवधि के दौरान यह संतुलन विशेष रूप महत्वपूर्ण हो जाता है जब छात्रों व शिक्षा संबंधी परेशानियों और अन्य कार्य से जुड़ी चिंता का समाना कर पड़ता है, जिसका उनके मानसिक और सम्पूर्ण स्वास्थ्य पर गहरा प्रभाव पड़ता है। निम्नरेह, परीक्षा की तैयारी महत्वपूर्ण है। लेकिन इससे भी अधिक महत्वपूर्ण अध्ययन और स्वस्थ जीवन के बीच एक अच्छा संतुलन बनावा रखना है। आज, परीक्षा में प्रदर्श छात्रों के संपर्ण दिलों दिमाग पर इकट्ठ कर छाया हुआ है कि उन्हें शिक्षा से जुड़े परिणामों के अलावा कुछ भी दिखाई नहीं देता है। इस तरह अक्खुड़ विचार हमारे छात्रों को बब्बर कर देते हैं और उनकी रचनात्मकता प्रतिभा का गता घोंट देते हैं। हम सभी अच्छी तरह से जानते हैं कि प्रत्येक बच्चा विशिष्ट रूप से संपन्न है और सभी शैक्षणिक दृष्टि से उत्कृष्ट नहीं सकते। परीक्षा परिणाम के आधार हम किसी बच्चे की प्रतिभा का अनुमान नहीं लगा सकते। परीक्षा परिणाम

एकमात्र पैमाना नहीं होना चाहिए। हम सभी- माता-पिता, शिक्षक, मित्र और परिवार- को मिलकर और एकजुटता से काम करना चाहिए ताकि बच्चे को उसकी पूरी क्षमता का एहसास कराने के लिए सौहार्दपूर्ण बातावरण प्रदान किया जा सके। परीक्षा में प्रदर्शन न केवल स्वानभाविक प्रतिभा पर निर्भर करता है, बल्कि स्वस्थ शरीर और तेज दिमाग जैसी कई चीजों पर भी निर्भर करता है, जो शारीरिक मजबूती को बढ़ाता है और मस्तिष्क तेजी से ध्यान केन्द्रित करता है।

छात्र शैक्षणिक उत्कृष्टता हासिल करने के लिए परिवार, शिक्षकों और समाज की अपेक्षाओं का बोझ उठाते हैं। इससे एक अप्रिय स्थिति उत्पन्न हो जाती है जो उन्हें मानसिक रूप से कमजोर और शारीरिक रूप से थका देती है। कभी-कभी, थकान के कारण उनकी ऊर्जा खत्म हो जाती है और इसका असर उनके स्वास्थ्य और खुशहाली पर पड़ता है। अत्यधिक तनाव मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं जैसे चिंता, डिप्रेशन और नींद संबंधी विकारों का जोखिम बढ़ाने वाला कारक माना गया है। इसलिए, मानसिक स्वस्थ्य पर ध्यान देना अत्यावश्यक है। इन चुनौतियों पर काबू पाने के लिए,

एकाग्रता का स्तर बढ़ाएं और अपनी पढ़ाई पर ध्यान केंद्रित करने के लिए व्यायाम, ध्यान और गहरी सांस लेने की आदत बनाएं, एक सुव्यवस्थित अध्ययन दिनचर्या स्थापित करें, कार्यों को प्रबंधनीय भागों में विभाजित करें और हासिल करने के यथार्थवादी शैक्षणिक लक्ष्यन बनाएं। परामर्श सेवाओं तक पहुंच और मानसिक स्वास्थ्य के बारे में खुली जानकारी प्रदान करने से फिर क्या अन्य मानसिक स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं से जूँग रहे लोगों के लिए एक सहायक बातावरण भी बनता है। परीक्षा के दौरान छात्रों के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को कैसे बनाए रखा जा सकता है, इसके लिए निम्नलिखित व्यापक तरीकों पर ध्यान देना शक्ताप्रद होगा:

छोटे ब्रेक और शारीरिक कार्यः शारीरिक स्वास्थ्य हमारी समग्र फिटनेस और स्फुरिति को बनाए रखने के मूलभूत तत्वों में से एक है। नियमित व्यायाम न केवल हृदय स्वास्थ्य में सुधार करता है बल्कि तनाव को दूर करने के रूप में भी काम करता है। यह ज्ञान संबंधी कार्यों और जानकारी को याद रखने की क्षमता को बढ़ाता है, दोनों ही परीक्षा में प्रदर्शन में सुधार के लिए महत्वपूर्ण हैं। परीक्षा की

स्वास्थ्य से अधिक प्राथमिकता अपनी पढ़ाई को देते हैं। हमें उन्हें स्ट्रेचिंग, वाकिंग, जॉगिंग या योग जैसे कुछ शारीरिक कार्यों को शामिल करने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए जो तनाव को काफ़ी हद तक कम कर सकते हैं, जिससे छात्रों को अपने दिमाग को रिचार्ज करने में मदद मिलेगी।

संतुलित आहार और पोषण:

कठिन अध्ययन की मांग से निपटने और स्वस्थ रहने में पोषण महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। भोजन इधन का काम करता है जो हमारे शरीर और दिमाग दोनों को पोषण देता है। हम जो भोजन खाते हैं उसकी गुणवत्ता हमारे सम्पूर्ण व मानसिक स्वास्थ्य का सार्थकता से निर्धारण करती है। एक सामान्य गलती जो छात्र इस महत्वपूर्ण अवधि के दौरान अक्सर करते हैं, वह है खराब खाना या घर पर बने पौष्टिक भोजन के स्थान पर जंक फास्ट फूड, चॉकलेट, एनर्जी ड्रिंक और चिप्स जैसे अस्वास्थ्यकर भोजन लेना। कभी-कभी वे चिंता और तनाव के कारण या परीक्षा की तैयारी के लिए अपना समय बचाने के लिए परीक्षा के दौरान भोजन भी छोड़ देते हैं। विटामिन, खनिज और फाइबर से भरपूर संतुलित आहार खाने से मस्तिष्क के अधिकतम कामकाज

पर्याप्त पानी की मात्रा को अक्सर नजरअंदाज कर दिया जाता है, लेकिन यह भी उतना ही महत्वपूर्ण है, क्योंकि इसकी कमी ज्ञान संबंधी क्षमताओं और एकाग्रता को काफ़ी हद तक खराब कर सकती है।

अच्छे स्वास्थ्य के लिए पर्याप्त नींदः परीक्षा के समय गुणवत्तापूर्ण नींद भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। नींद और जानकारी संबंधी कार्य, स्मरण शक्ति और भावनात्मक लचीलेपन के बीच सीधा संबंध है। छात्रों को रोजाना एक ही समय पर बिस्तर पर जाकर और जागकर नींद का लगातार एक ही पैटर्न बनाकर रखना चाहिए। जो छात्र रात में उचित मात्रा में नींद लेते हैं वे हमेशा बेहतर याद रखने और बेहतर प्रदर्शन करने में सक्षम होते हैं। अच्छी नींद भी अच्छे स्वास्थ्य के लिए एक न्यूनतम शर्त है। सहायक और उत्साहवर्धक वातावरणः हमें एक अनुकूल लवातावरण बनाना चाहिए जहां छात्र अपनी चिंताओं पर चर्चा कर सकें और अपने माता-पिता और शिक्षकों से सहयोग ले सकें। तनाव, चिंता या अन्य मानसिक स्वास्थ्य चुनौतियों से निपटने के लिए परामर्श सेवाओं तक पहुंच प्रदान करना सर्वोच्च संस्थागत प्राथमिकता बनी रहनी चाहिए। हमें

को प्रोत्साहित करना चाहिए और सभी वैज्ञानिक रूप से उलझे बिना इससे प्रभावी ढंग से निपटना चाहिए।

व्यायाम और ध्यान (मेडिटेशन) का अभ्यासः परीक्षा के तनाव को प्रभावी ढंग से संभालने के लिए ध्यान एक महत्वपूर्ण दिनचर्या हो सकती है। छात्रों को ध्यान, गहरी सांस लेना या योग जैसी तकनीकों का अभ्यास करना चाहिए जो मन को शांत करने, एकाग्रता में सुधार लाने और चिंता को कम करने में मदद कर सकते हैं। ये अभ्यास तनाव को कम करने और मानसिक कल्याण को बढ़ाने में मदद कर सकते हैं।

समय प्रबंधनः छात्रों को अंतिम समय सीमा के दौरान पढ़ाई का समय प्रबंधित करने की रणनीति अपनानी चाहिए। हम सभी जानते हैं कि इलेक्ट्रॉनिक माध्यम पर अत्यधिक निर्भरता के कारण छात्रों का स्क्रीन टाइप करने से बढ़ गया है। हम समझते हैं कि वर्तमान समय में इलेक्ट्रॉनिक माध्यम एक आवश्यकता बन गया है। लेकिन, हमारे छात्रों को संतुलन बनाने की जरूरत है। शायद परीक्षा की तैयारी के लिए कुछ गुणवत्तापूर्ण समय खाली रखने के लिए डिजिटल डिटॉक्स आवश्यक होगा।

चुनावी साल में अंतरिम बजट से उम्मीदें

देश में जिस साल लोकसभा चुनाव होते हैं, उस वर्ष दो बजट आते हैं। एक अंतर्रिम बजट और दूसरा पूर्ण बजट होता है। लेकिन अधिकांश अंतर्रिम बजटों में लोक लुभावन योजनाओं और बड़ी-बड़ी राहतों का ढेर लगाया जाता रहा है। इस बार वित्तमंत्री सीतारमण वित्तीय अनुशासन के साथ आगामी लोकसभा चुनाव के मध्येनजर जरूरी राहतों और आर्थिक कल्याण की योजनाओं र संतुलित अंतर्रिम बजट पेश करते हुए दिखाई दे सकती हैं। नि:संदेह इस समय वर्ष 2024-25 के अंतर्रिम बजट को अतिरिक्त रूप देते समय दो अहम मसले वित्तमंत्री के समक्ष हैं। एक का संबंध उस राजकोषीय गुजाइश और आकार से है जो फिलहाल केंद्र सरकार के पास अनुकूल स्थिति में है और दूसरा मुद्दा आगामी आम चुनावों में आवश्यक चुनावी लाभ हासिल करने के लिए कुछ नई व्यय योजना की घोषणा और आर्थिक कल्याण को लेकर सरकार की राजनीतिक अनिवार्यता से संबंधित है। वित्तमंत्री ने सीतारमण ने कहा है कि अंतर्रिम बजट लेखानुदान होगा। पूर्ण बजट लोकसभा चुनावों के परिणामों के कोरोना एक माह बाद आने की संभावना रहेगी। कहा है कि जिस तरह वर्ष 2000 के बाद प्रस्तुत हुए तीन अंतर्रिम बजटों में लोक लुभावन बड़ी घोषणाएं की गई थी और कर उपायों की अनदेखी की गई, वह वैसा नहीं करने जा रही है।



ડા. જયંતીલાલ ભંડારી
સ્વતંત્ર લેખક

के करवारा का वित्तमंत्री नम्रता सीतारमण के द्वारा लोकसभा पेश किए जाने वाले वर्ष 2024 अंतरिम बजट की तैयारियों का अंतिम चरण 24 जनवरी को हल्ला बित्त समारोह के साथ आरंभ हुआ। पिछली तीन पूर्ण बजट की तरह नया अंतरिम बजट भी पूरी तरह से पेपरलेस होगा। वस्तुतः इस समय पूर्ण देश की निगम वित्तमंत्री के द्वारा पेश किए जाने वाले अंतरिम बजट की ओर लगा हुई है। वस्तुतः देश में जिस साल लोकसभा चुनाव होते हैं, उस वर्ष दो बजट आ जाते हैं। एक अंतरिम बजट और दूसरा पूर्ण बजट होता है। सामान्यतया अंतरिम बजट में नई सरकार बनने तक व्यय जरूरतों को पूरा करने का उद्देश होता है। लेकिन अधिकांश अंतरिम बजटों में लोक लुभावन योजनाओं और बड़ी-बड़ी राहतों का देर लगाया जाता रहा है। इस बार वित्तमंत्री

सातांशन वित्तीय अनुसासन के समय आगामी लोकसभा चुनाव के मद्देनजर जरूरी राहतों और आर्थिक कल्याण की योजनाओं से संतुलित अंतरिम बजट पेश करते हुए दिखाई दे सकती हैं। निःसंदेह इस समय वर्ष 2024-25 के अंतरिम बजट को अंतिम रूप देते समय दो अहम मसले वित्तमंत्री के समझ हैं। एक का संबंध उस राजकोषीय गुंजाइश और आकार से है जो फिलहाल केंद्र सरकार के पास अनुकूल स्थिति में है और दूसरा मुद्दा आगामी आम चुनावों में आवश्यक चुनावी लाभ हासिल करने के लिए कुछ नई व्यव्योजना की घोषणा और आर्थिक कल्याण को लेकर सरकार की राजनीतिक अनिवार्यता से संबंधित है। वित्तमंत्री ने सीतारमण ने कहा है कि अंतरिम बजट लेखानुदान होगा। पूर्ण बजट लोकसभा चुनावों के परिणामों के कार्य एक माह बाद आने का सा बाबना होगा। कहा है कि जिस तरह वर्ष 2000 के बाद प्रस्तुत हुए तीन अंतरिम बजटों में लोक लुभावन बड़ी घोषणाएं की गई थीं और कर उपयोग की अनदेखी की गई, वह कैसा नहीं करने जा रही हैं। उनके द्वारा लोकसभा चुनाव के पूर्व प्रस्तुत किए जाने वाले नए अंतरिम बजट में वैसी बड़ी-बड़ी लोक लुभावन योजनाओं को शामिल नहीं किया जाएगा। यह बात भी महत्वपूर्ण है कि नए अंतरिम बजट के समय वित्तमंत्री सीतारमण के पास आयकर परिवहन पर सकारात्मक बदलाव होने का अनुकूल परिवहन भी जूदा है। हाल ही में एसवीआई की रिसर्च विंग के द्वारा प्रकाशित रिपोर्ट में कहा गया है कि वर्ष 2014 से 2022 के पिछले आठ वर्षों में आयकर रिटर्न भरने वाले आयकरदाताओं की संख्या और आयकर की प्राप्ति में छलांगे लगाकर बढ़ि हुई है। 2023-24 के

3। दिसंबर तक आयकर रिटन क्राइड 8.18 करोड़ के स्तर का पार कर चुका है। जहां पिछले आठ वर्षों में आयकर रिटन भरने वाले दोगुने हुए हैं, वहीं आय की असमानता में भी कमी आई है। वित्त वर्ष 2014-22 के दौरान व्यक्तिगत आय असमानता 0.472 प्रतिशत से घटकर 0.402 प्रतिशत हो गई है। इस दौरान 3.5 लाख रुपए के कम आय वाले समूह से 36.3 फीसदी लोग उच्च आय वाले समूह में शामिल हो गए हैं। निःसंदेह वित्तमंत्री के मुट्ठियों में देश में कर सुधारों से आयकरदाताओं और आयकर संग्रहण के साथ-साथ जी-एसटी में लक्ष्य से भी अधिक वृद्धि की बड़ी अनुकूलताएं हैं। इसके अलावा वित्तमंत्री के पास कुछ और अनुकूलताएं भी हैं, जिनके महेनजर वे उपयुक्त जरूरी राहत दे सकती हैं। इस वित्त वर्ष 2023-24 में वित्तमंत्री सीतारमण वित्तीय

अनुरासन का पालन करत रहे हुए व
अब तक राजकोपीय धाटे को बजट
लक्ष्य के मुताबिक जीडीपी के 5.9
तक नियन्त्रित रखते हुए सफलतापूर्वक
आगे बढ़ी हैं। यह बात भी स्पष्ट रूप से
उभरकर दिखाई दे रही है कि पिछले
लोकसभा चुनाव के फले 2019 के
अंतरिम बजट में किसान सम्मान निधि
व आयकर राहत देने के लिए जरूरी
प्रावधान किए गए थे। चूंकि पिछले
माह दिसंबर में राज्यों के उत्साहजनक
चुनावी निताजों में कल्याणकारी
योजनाओं की भूमिका अहम मानी गई
है, इसे ध्यान में रखते हुए वित्तमंत्री
आमजन के हितार्थ कुछ महत्वपूर्ण
सामाजिक और आर्थिक कल्याण
की योजनाओं के साथ-साथ छोटे
आयकरदाताओं और मध्यम वर्ग को
राहत देने के लिए कुछ जरूरी प्रावधान
कर सकती हैं। नए अंतरिम बजट में
छोटे आयकरदाताओं व मध्यम वर्ग

का कुछ राहत दी जा सकता है। बजट
में किफायती आवासों के लोन पर
व्याज पर सब्सिडी बढ़ सकती है। नई
मैनुफ्रूटरिंग यूनिट के लिए आयकर
लूट की सीमा बढ़ सकती है। किसानों
और महिलाओं के लिए अंतरिम बजट
में बड़े ऐलान हो सकते हैं। किसान
सम्मान निधि बढ़ाई जा सकती है।
नए बजट में राजकोपीय धाटा और
विनिवेश लक्ष्य कम हो सकता है।
विनिवेश लक्ष्य 50 हजार करोड़ रुपए
से नीचे रखा जा सकता है। सूक्ष्म, लघु
और मध्यम उद्योगों (एमएसएई) को
प्रोत्साहनमूलक राहत दी जा सकती
है। जहां विनिर्माण क्षेत्र को बढ़ावा देने
और रोजगार के अवसरों में बढ़ोत्तरी
करने के लिए सरकार नए अंतरिम
बजट से पीएलआई योजना का दायरा
बढ़ाते हुए इसे कपड़ा और हस्तशिल्प
जैसे क्षेत्रों तक विस्तृत कर सकती
है, वहीं रियल एस्टेट सेक्टर को भी

ਵਿਪਦ ਕ ਆਕੁਲ ਲਪਾਈਲਾਲਾ ਕਾ ਨਾ-ਲਾਈਕ

विपक्षी दल

ओर उन्हें एकाकार बनाए रखने की प्रक्रिया अगर सोनिया की सीधी रहनुमाई में चली होती तो इंडिया समूह के राजनीतिक दलों की संख्या 28 से कहाँ ज्यादा होती। मैं अपने प्रामाणिक निजी जानकारी के आधार पर कह रहा हूँ कि ठोस सियासी जनाधार रखने वाले कई राजनीतिक दल अभी भी ऐसे हैं, जो न इधर हैं, उधर और जिन्हें मलाल है कि इंडिया समूह की तरफ से उन से कायदे किसी व्यक्ति ने संपर्क ही नहीं किया

कितन लायक ह, कितन नहा, इस पर तो बात तब करें, जब विषय अपनी ना-लायकी से बाज आए। वे सब, जो नरेंद्र भाई के एकलखुरेपन से निजात चाहते हैं, अखिल किस प्रतिस्थापन के भरोसे अपनी हड्डियों का दान करें? 28 राजनीतिक दलों के उस इंडिया-समूह के सहरे, जिस में खुद ही सब एक-दूसरे का सहारा नहीं बन पा रहे हैं? जो दमड़ी के चक्कर में अपनी चमड़ी गवाने को अकलमंदी समझ रहा है? जिस के अश्वमेधी रथ के तमाम दिग्गज अपने को एक-दूसरे से बड़ा लपोरीलाल साबित करने में लगे हुए पुराण कहत ह। कि दिग-गंग व आठ हाथी हैं, जो आठों दिशाओं में पृथ्वी की रक्षा के लिए स्थापित किए गए हैं। पूर्व में ऐरावत, पश्चिम में अंजन, उत्तर में सार्वभौम और दक्षिण में वामन। इन के अलावा पूर्वदक्षिण कोने में पुंडरीक, दक्षिणपश्चिम में कुमुद, पश्चिमउत्तर कोने में पृष्ठदंत और उत्तरपूर्व कोने में सुप्रतीक। इंडिया-समूह के दिग्गजों झ नौतीश कुमार, लालू प्रसाद यादव, ममता बनर्जी, सीताराम येचुरी, अखिलेश यादव, अरविंद केजरीवाल, शरद पवार और मालिलकुर्जुन खड्गे झ में से मुझे तो ज्यादातर ऐसे लगते

अपना-अपना दिशाओं का द्वारपाल बने रहने के लिए ज्यादा आतुर दिखाई दे रहे हैं। तो ऐसे में सिंहासन को हर हाल में, हर हथकंडा अपना कर, अपने कब्जे में बनाए रखने को व्याकुल नरेंद्र भाई के प्रतिकार के लिए, हम पिछी-पिछी आकांक्षाओं को मींबंद करने के लिए उतने ही आकुल चँहरों पर, अपना सर्वस्व किसे उंडले? खुद की साख पर खुद ही बट्टा लगाने में लगे इंडिया-समूह के कुछ सूत्रधारों की सियासी कामवासना का आछापन देख-देख कर मैं तो पिछले कुछ दिनों से अवसन्नता के सागर में डूब-उत्तरा का नहीं, इस बात का ह कि अगर सकल-विपक्ष के एकमन्चीय होने का यह मौजूदा प्रयास नाकाम रहा तो भारवासियों का विश्वास आने वाले दस-बीस बरस के लिए समचे विपक्ष से उठ जाएं। समूचे यानी समूचे। अगर अखिल भारतीय उपस्थिति वाले किसी विपक्षी राजनीतिक दल को यह खामख्याली हो कि लोग सिर्फ क्षेत्रीय दलों के खामख्याल विराट हो गए बैने क्षत्रियों को इस पाप का भागी मानें और इस से अंततः एक दिन आएं कि उस की जोंपड़ी के भाग्य खुल जाएं तो दिमाग के ये जाले साफ होने में देर नहीं जाजम पर ज़स का जितना हिस्सेदारी है, उस की उतनी ही जिम्मेदारी भी है भारतीय समाज में छोटों की तो बड़ी खताएं भी माफ हो जाया करती हैं, मगर बड़ों की छोटा-सा कुसूर भी उन के लिए बरसों का नासूर बन जाता है। सो, ऐसा कभी नहीं होने वाला है कि विपक्षी मंडलेश्वरों से निराश लोग इसलाएं किसी महमंडलेश्वरों की शरण में चले जाएंगे कि उस के सिर पर जा बड़ा और दैशिक छत तनाव हुआ है। विश्वास के संकट का सैलाब आएंगा तो सब-कुछ अपने साथ बहा ले जाएंगा।

संक्षिप्त खबरें

पूर्व मुख्यमंत्री के आकर्षित निधन पर विधायक ने किया शोक व्याप

आरा, भाजपुमो आरा ग्रामीण अध्यक्ष सोनू कुमार सिंह के दादा, भाजपा नेता, रामपुर पंचायत के पूर्व मुख्यमंत्री अमरीन्द्र प्रताप सिंह ने शोक व्याप करते हुए कहा कि उनके निधन से ममाहा हूँ वे मेरे अभिन्न मित्र व परिवार के सदस्य की तरह थे।

जुझास नेता के रूप में उनकी पढ़चान पशुओं का 5 तस्करों के साथ पकड़ा गया। दोनों वाहनों पर 21 पशु मिले, जिसमें एक पशु मृत हो गया। 20 पशु जिंदा पाए गए। थानाध्यक्ष सुनीत कुमार सिंह ने बताया कि भीतरीं और बाहरीं हासमुख स्वाभाविक के थे उनका सामना और पार्टी और मेरे लिए व्यक्तिगत क्षमता है। इश्वर उहें अपने श्रीवराणों में स्थान प्रदान करें और इश्वर इस दुख की घड़ी में खर्जिनों को ढांडस और धैर्य दें। शोक पराक्रम के लिए उनका शोक व्याप करते हुए।

संविधान और लोकतंत्र की दृष्टि के लिए संकल्प लेना होगा : दीपंकर मद्दाचार्य

21 पशुओं के साथ पांच तस्कर गिरफ्तार

दो वाहन जब्त, पुलिस ने भेजा जेल, एक पशु मिला मृत

प्रातः किरण संवाददाता

रामपुर, कैमूर। प्रखण्ड के करमचंद थाना क्षेत्र के अमाव गांव के मोड़ के पास वाहन जांच के दौरान रीवावार दोपहर लगभग 3 बजे पुलिस द्वारा दो वाहनों क्रूरता से लोड कर ले जा रहे पशुओं का 5 तस्करों के साथ पकड़ा गया। दोनों वाहनों पर 21 पशु मिले, जिसमें एक पशु मृत हो गया। 20 पशु जिंदा पाए गए। थानाध्यक्ष सुनीत कुमार सिंह ने बताया कि भीतरीं और बाहरीं हासमुख स्वाभाविक के थे उनका सामना और पराक्रम करते हुए। शोक पराक्रम के लिए उनका शोक व्याप करते हुए।

मनुजा वार्ड 17 ने छत से गिरकर एक किटोट घायल

भुजुआ वार्ड 17 में छत से गिरकर एक किशोर गंभीर रूप से घायल हो गया। जानकारी के सुनाविक भुजुआ शहर के वार्ड 17 निवासी नाजीर खान का 14 वर्षीय गंभीर रेहान खान बताया जाता है। वहीं साथ में आप परिजनों ने बताया कि किशोर छत के बलरेज पर खड़ा था। तभी अचानक चक्कर आने से नीचे गिरकर घायल हो गया। जहां इलाज के लिए भुजुआ के सरकर अस्पताल लाया गया। वहीं चिकित्सक द्वारा प्राथमिक उपचार करने के बाद बेहतर इलाज के लिए हायार सेंटर रेफर किया गया है।

घायल दुकान में घोरी कर घोरी ने उड़ाया लायों का समान

नोखा (रोहतास) नगर परिषद के मुख्य बाजार स्थित एक चाचा दुकान में अज्ञात चोरों ने चोरी की घटना को अंजखा दिया। बताया जाता है कि रिवायत की रात चोरों दुकान का पिछला दरवाजा तोड़ कर लाखों का सामान चुरा फरार हो गए। इस संबंध में दुकान के अंदर राजनीतिक चाचा और भाजपा हटाओं - रिवायत, लोकतंत्र पर आयोगी जी को किसी व्यक्ति के नहीं नीजे जी के शहादत दिवस के पूर्व संध्या पर हुई। सभा को शूरूआत करते हुए मनोज मंजिल ने कहा कि बिहार के मनोजी देने का कारबा चल पड़ा था तभी कारबा के मुख्य भूमिका था। लोकनीतीश कुमार पलटी भाकर सामंती ताकतों के गोद में चले गए। राजू यादव ने कहा कि जब मनोज भेज दिया गया था उनके हाथों के लिए एकता के बात करते थे। आजारी के लडाक का साप्तरीन विवाह ने बाल फसल संविधान था। मोदी जी जब पहली बार प्रधानमंत्री बने तो संविधान की हुई। इसके बाद शहादत गीत हुई। अजित कुशवाहा ने कहा कि आज की मुख्य भगवान ने भेजा है। संविधान धर्म और अपने मन्दिरों को इजरायल भेज रहे हैं। भजपा राज्य में मन्दिरों के भेजने का अभियान नीजे जी के बात विवाह में भी चलेगा। इंडिया गढ़ बंधवंश के साथ 24 का चुनाव लड़ेगी। सभा को सम्बोधित करते हुए मनोज मंजिल ने कहा कि बिहार के मनोजी देने का कारबा चल पड़ा था तभी कारबा के मुख्य भूमिका था। लोकनीतीश कुमार पलटी भाकर सामंती ताकतों के गोद में चले गए। राजू यादव ने कहा कि जब मनोज भेज दिया गया था उनके हाथों के लिए एकता के बात करते थे। आजारी के लडाक का साप्तरीन विवाह ने बाल फसल संविधान था। मोदी जी जब पहली बार प्रधानमंत्री बने तो संविधान की हुई। इसके बाद शहादत गीत हुई। अजित कुशवाहा ने कहा कि आज की मुख्य भगवान ने भेजा है। संविधान धर्म और अपने मन्दिरों को इजरायल भेज रहे हैं। भजपा राज्य में मन्दिरों के भेजने का अभियान नीजे जी के बात विवाह में भी चलेगा। इंडिया गढ़ बंधवंश के साथ 24 का चुनाव लड़ेगी। सभा को सम्बोधित करते हुए मनोज मंजिल ने कहा कि बिहार के मनोजी देने का कारबा चल पड़ा था तभी कारबा की मुख्य भूमिका था। लोकनीतीश कुमार पलटी भाकर सामंती ताकतों के गोद में चले गए। राजू यादव ने कहा कि जब मनोज भेज दिया गया था उनके हाथों के लिए एकता के बात करते थे। आजारी के लडाक का साप्तरीन विवाह ने बाल फसल संविधान था। मोदी जी जब पहली बार प्रधानमंत्री बने तो संविधान की हुई। इसके बाद शहादत गीत हुई। अजित कुशवाहा ने कहा कि आज की मुख्य भगवान ने भेजा है। संविधान धर्म और अपने मन्दिरों को इजरायल भेज रहे हैं। भजपा राज्य में मन्दिरों के भेजने का अभियान नीजे जी के बात विवाह में भी चलेगा। इंडिया गढ़ बंधवंश के साथ 24 का चुनाव लड़ेगी। सभा को सम्बोधित करते हुए मनोज मंजिल ने कहा कि बिहार के मनोजी देने का कारबा चल पड़ा था तभी कारबा की मुख्य भूमिका था। लोकनीतीश कुमार पलटी भाकर सामंती ताकतों के गोद में चले गए। राजू यादव ने कहा कि जब मनोज भेज दिया गया था उनके हाथों के लिए एकता के बात करते थे। आजारी के लडाक का साप्तरीन विवाह ने बाल फसल संविधान था। मोदी जी जब पहली बार प्रधानमंत्री बने तो संविधान की हुई। इसके बाद शहादत गीत हुई। अजित कुशवाहा ने कहा कि आज की मुख्य भगवान ने भेजा है। संविधान धर्म और अपने मन्दिरों को इजरायल भेज रहे हैं। भजपा राज्य में मन्दिरों के भेजने का अभियान नीजे जी के बात विवाह में भी चलेगा। इंडिया गढ़ बंधवंश के साथ 24 का चुनाव लड़ेगी। सभा को सम्बोधित करते हुए मनोज मंजिल ने कहा कि बिहार के मनोजी देने का कारबा चल पड़ा था तभी कारबा की मुख्य भूमिका था। लोकनीतीश कुमार पलटी भाकर सामंती ताकतों के गोद में चले गए। राजू यादव ने कहा कि जब मनोज भेज दिया गया था उनके हाथों के लिए एकता के बात करते थे। आजारी के लडाक का साप्तरीन विवाह ने बाल फसल संविधान था। मोदी जी जब पहली बार प्रधानमंत्री बने तो संविधान की हुई। इसके बाद शहादत गीत हुई। अजित कुशवाहा ने कहा कि आज की मुख्य भगवान ने भेजा है। संविधान धर्म और अपने मन्दिरों को इजरायल भेज रहे हैं। भजपा राज्य में मन्दिरों के भेजने का अभियान नीजे जी के बात विवाह में भी चलेगा। इंडिया गढ़ बंधवंश के साथ 24 का चुनाव लड़ेगी। सभा को सम्बोधित करते हुए मनोज मंजिल ने कहा कि बिहार के मनोजी देने का कारबा चल पड़ा था तभी कारबा की मुख्य भूमिका था। लोकनीतीश कुमार पलटी भाकर सामंती ताकतों के गोद में चले गए। राजू यादव ने कहा कि जब मनोज भेज दिया गया था उनके हाथों के लिए एकता के बात करते थे। आजारी के लडाक का साप्तरीन विवाह ने बाल फसल संविधान था। मोदी जी जब पहली बार प्रधानमंत्री बने तो संविधान की हुई। इसके बाद शहादत गीत हुई। अजित कुशवाहा ने कहा कि आज की मुख्य भगवान ने भेजा है। संविधान धर्म और अपने मन्दिरों को इजरायल भेज रहे हैं। भजपा राज्य में मन्दिरों के भेजने का अभियान नीजे जी के बात विवाह में भी चलेगा। इंडिया गढ़ बंधवंश के साथ 24 का चुनाव लड़ेगी। सभा को सम्बोधित करते हुए मनोज मंजिल ने कहा कि बिहार के मनोजी देने का कारबा चल पड़ा था तभी कारबा की मुख्य भूमिका था। लोकनीतीश कुमार पलटी भाकर सामंती ताकतों के गोद में चले गए। राजू यादव ने कहा कि जब मनोज भेज दिया गया था उनके हाथों के लिए एकता के बात करते थे। आजारी के लडाक का साप्तरीन विवाह ने बाल फसल संविधान था। मोदी जी जब पहली बार प्रधानमंत्री बने तो संविधान की हुई। इसके बाद शहादत गीत हुई। अजित कुशवाहा ने कहा कि आज की मुख्य भगवान ने भेजा है। संविधान धर्म और अपने मन्दिरों को इजरायल भेज रहे हैं। भजपा राज्य में मन्दिरों के भेजने का अभियान नीजे जी के बात विवाह में भी चलेगा। इंडिया गढ़ बंधवंश के साथ 24 का चुनाव लड़ेगी। सभा को सम्बोधित करते हुए मनोज मंजिल ने कहा कि बिहार के मनोजी देने का कारबा चल पड़ा था तभी कारबा की मुख्य भूमिका था। लोकनीतीश कुमार पलटी भाकर सामंती ताकतों के गोद में चले गए। राजू यादव ने कहा कि जब मनोज भेज दिया गया था उनके हाथों के लिए एकता के बात करते थे। आजारी के लडाक का साप्तरीन विवाह ने बाल फसल संविधान था। मोदी जी जब पहली बार प्रधानमंत्री बने तो संविधान की हुई। इसके बाद शहादत गीत हुई। अजित कुशवाहा ने कहा कि आज की मुख्य भगवान ने भेजा है। संविधान धर्म और अपने मन्दिरों को इजरायल भेज रहे हैं। भजपा राज्य में मन्दिरों के भेजने का अभियान नीजे जी के बात विवाह में भी चलेगा। इंडिया गढ़ बंधवंश के साथ 24 का चुनाव लड़ेगी। सभा को सम्बोधित करते हुए मनोज मंजिल ने कहा कि बिहार के मनोजी देने का कारबा चल पड़ा था तभी कारबा की मुख्य भूमिका था। लोकनीतीश कुमार पलटी भाकर सामंती ताकतों के गोद में चले गए। राजू यादव ने कहा कि जब मनोज भेज दिया गया था उनके हाथों के लिए एकता के बात करते थे। आजारी के लडाक का साप्तरीन विवाह ने बाल फसल संविधान था। मोदी जी जब पहली बार प्रधानमंत्री बने तो संविधान की हुई। इसके बाद शहादत गीत हुई। अजित कुशव

